यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने यीशु को बपतिस्मा दिया

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु कृपया इस अध्ययन को बच्चों की सहायता के लिये इस्तेमाल कर कि वे देख सकें कि आप एक परमेश्वर है और कि आप तीन व्यक्ति हैं, जिसे विश्वासी" कहते हैं।

इन में से कोई भी बच्चों की सिखाने वाली गतिविधि जो उनकी आयु व आवश्यकता में सही बैठती है चुन लें।

बड़े बच्चे या शिक्षक को **मत्ती 3:1-17** पढ़ने दें या याद से यीशु के बपतिस्में की कहानी बताने दें।

वर्णन करें:

- यीशु के बपतिस्में ने त्रिएकता के तीनो व्यक्तियों के साथ कार्य करने को दिखाए।
- तीन व्यक्ति एक परमेश्वर हैं और एक होकर कार्य करते हैं वे तीन ईश्वर नहीं हैं।
- तीन व्यक्ति एक परमेश्वर में का ये सत्य एक रहस्य है जिसे केवल परमेश्वर ही समझ सकता हैं।

ये प्रश्न पूछें *(उत्तर प्रश्नो के अन्त में है)*

- यूहन्ना किसके लिये मार्ग तैयार कर रहा था? *(पद 3 देखें)*
- जब यूहन्ना ने लोगों को बपतिस्मा दिया तब उन्होंने क्या किया? *(उन्होंने अपने पाप का अंगीकार किया पद 6)*
- धार्मिक लोगों को यूहन्ना ने किस बात की चेतावनी दी जिन्होंने अपने पापों का अंगीकार नहीं किया? *(पद 8)*
- जिन लोगों ने पश्चत्ताप किया यीशु ने किससे उन्हें बपतिस्मा दिया? *(पवित्र आत्मा से पद 12)*
- यीशु ने क्यों बपतिस्में का आग्रह किया? *(कि जो सही है वह करे पापियों के लिये नमूना पद 15)*
- त्रिएकता के हर व्यक्ति बपतिस्में के समय किस प्रकार प्रगट हुए? *(पुत्र का बपतिस्मा हुआ, आत्मा उस पर उतरा, और पिता बोला पद 16-17)*

किस प्रकार त्रिएकता ने यीशु के बपतिस्में में कार्य किया इस कहानी को नाटक का रूप दें। (मत्ती 3:1-7)

- इस नाटक को प्रस्तुत करने के लिये आराधना के अगुवे के साथ प्रबन्ध करें।

- अपने शिक्षण समय को बच्चों के नाटक तैयार करने में लगायें।
- आप को सभी हिस्से इस्तेमाल नहीं करना है।
- बड़े बच्चों को छोटो की तैयारी में मदद करने दें।
- बड़े बच्चे या वयस्क बपतिस्मा देने वाले, यीशु और प्रवक्ता की भूमिका करें।
- छोटे बच्चे देखने वाले, फरीसी और सदूकी की भूमिका अदा करें।

प्रवक्ता: मत्ती 3:1-12 कहानी का प्रथम हिस्सा बताता है। तब कहता है, "सुनो यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला क्या कहता है"।

यूहन्ना: चिल्लाता है, "तैयार हो क्योंकि प्रभु आ रहा है। अपने पापों से पश्चताप करो"।

देखनेवाले: "मैं अपने पाप से पश्चत्ताप करता हूँ" "कृपाकर मुझे बपतिस्मा दीजिये"

फरीसी: "मैं बहुत धार्मिक फरीसी हूँ, मुझे जीवन बदलने की आवश्यकता नहीं"।

सदूकी: "मैं एक सदूकी ये दिखाने को बपतिस्मा लूंगा कि मैं कितना अच्छा हूँ, मुझे पश्चत्ताप करने की आवश्यकता नहीं"।

यूहन्ना: (जोर की आवाज़ से) "तुम फरीसियो सांप हो! अपने हृदयों को बदलो! शीघ्र ही कोई आने वाला है जो तुम्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा। परमेश्वर की आज्ञा पालन करो या फिर न्याय की अग्नि का सामना करो"।

प्रवक्ता: मत्ती 3:13-17 से कहानी का दूसरा भाग बताता है तब कहता है, "सुनो यीशु यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले से क्या कहता है"।

यीशु: "यूहन्ना तुझे अब मुझे बपतिस्मा देना है"

यूहन्ना: "पर यीशु मैं तो इसे करने योग्य नहीं हूँ, वैसे भी आपके मुझे बपतिस्मा देना चाहिये!"

यीशु: कहता है "जो ठीक है उसे करना आवश्यक है, मुझे पापियों के लिये एक नमूना पेश करना है"।

यूहन्ना: ऐसा करता है मानो यीशु को बपतिस्मा देता है, तब ऊपर की ओर संकते कर कहता है, "देखो स्वर्ग से पवित्र आत्मा यीशु पर कबूतर की नाई उतर रहा है"।

देखने वाले: ऊपर की ओर इशारा कर पुकारता है, "सुनो!" तब कहता है "एक आवाज़ स्वर्ग से आई"।

यूहन्ना: "क्या तुमने सुना कि परमेश्वर पिता ने स्वर्ग से यीशु के विषय मैं क्या कहा, उसने कहा यह मेरा पुत्र है जिससे मैं प्रेम करता हूँ परमेश्वर ने हमसे बोला!"

प्रवक्ता: जिन्होंने नाटक में सहायता की उन्हें धन्यवाद देता है।

प्रश्न: यदि बच्चे इस कहानी को बड़ों के लिये नाटक रूप में करना चाहते हैं, तो उन्हें वे प्रश्न भी पूछने दीजिये जिसकी सूचि ऊपर दी हुई है।

पूछो: और दूसरे उदाहरण कौन से है जिनमें त्रिएकता के व्यक्ति कार्य एक साथ करते हैं। जब कि परमेश्वर एक हैं? (यदि बच्चे उदाहरण दे सके तो देने दें। उदाहरण में सृष्टि, यीशु का पुनरूत्थान और हमारा उद्धार शामिल है)

लूका 9:35 कंठस्थ करो: "तब एक आवाज़ स्वर्ग से आई ये कहते हुए" कि यह मेरा पुत्र है, मेरा चुना हुआ, उसकी सुनो!

कविता: हर चार बच्चों को भजन 2:7,8,10 एवं 11 से एक पद दुहराने दें।

बच्चों को एक उतरता हुआ कबूतर बनाने दें बड़ों को आराधना में ये दिखाने और बताने कि किस प्रकार यीशु हमें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देता है जब हम पिता परमेश्वर से उद्धार के लिये कहते हैं कि हमारे पापों से यीशु के नाम से करें।

यदि बड़े बच्चे चाहते हैं तो उन्हें त्रिएकता के व्यक्तियों की तस्वीर बनाने दें।

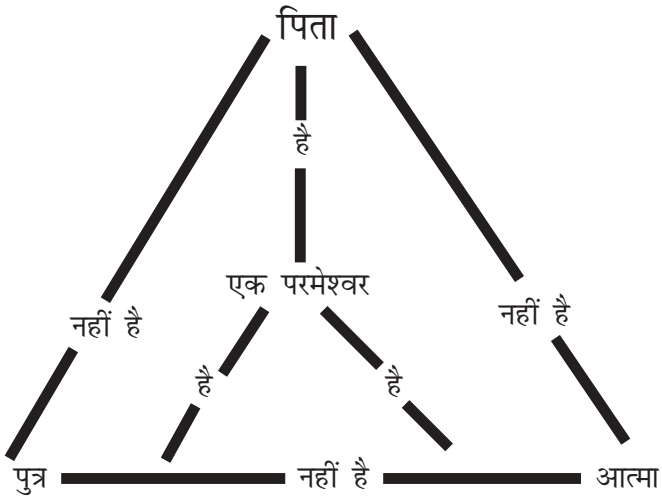

बड़े बच्चों को यीशु के विषय या त्रिएकता के बारे में गीत या कविता लिखने दें।

प्रार्थना: "पवित्र परमेश्वर आप एक हैं सच्चे परमेश्वर। हम आपकी स्तुति पिता, पुत्र आत्मा में तीनो एक त्रिएकता में है प्रशंसा करते हैं, हम ये नहीं समझते पर हम आप पर विश्वास करते हैं। हमें यीशु के जीवन में अपने आत्मा से बपतिस्मा देने के लिये धन्यवाद कि जिससे हम आपकी सन्तान हो सकें"।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net